[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 482 **F** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 290567

Name of the Paper : Creative Writing (Hindi) रचनात्मक लेखन

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Application Course**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 50

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवधारणाओं में से किन्हीं **चार** पर 100 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : (4×5=20)

   (क) रचनात्मकता और साहित्य

   (ख) विज्ञापन और रचनात्मकता

   (ग) साक्षात्कार लेखन

   (घ) कल्पना और रचनात्मकता

   (ङ) रचनात्मक लेखन में भाव और विचार का महत्त्व

   (च) साहित्य समाज का दर्पण

   (छ) आत्मविस्तार की इच्छा और रचनात्मकता

   (ज) भाषा और रचनात्मकता

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3×2=6)

   (i) अलंकारों का महत्त्व स्पष्ट करते हुए उपमा और रूपक अलंकार का सोदाहरण परिचय दीजिए।

   (ii) लक्षणा शब्द-शक्ति का सोदाहरण परिचय दीजिए।

P.T.O.

(iii) मानक भाषा से क्या अभिप्राय है ? रचनात्मक लेखन में मानक भाषा प्रयोग कहाँ तक उचित है ?

(iv) प्रतीक और बिम्ब में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5×2=10)

(i) एफ.एम. रेडियो की भाषा पर विचार कीजिए ।

(ii) टेलीविज़न कार्यक्रमों के लिए लेखन करते समय क्या सावधानियाँ अपेक्षित हैं ?

(iii) धारावाहिक लेखन की प्रमुख चुनौतियों की चर्चा कीजिए ।

(iv) किसी पुस्तक की समीक्षा करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

(i) **मैरीकॉम** फिल्म अथवा **ओह माई गॉड** फिल्म की समीक्षा

(ii) छात्र संघ चुनाव पर फीचर

(iii) सम्पादकीय लेखन

(iv) डॉक्यूमेंट्री लेखन

5. दिए गए अंश के रचनात्मक सौंदर्य का विश्लेषण कीजिए : (4)

माटी कहे कुम्हार से तू क्या रूँधे मोहीं
इक दिन ऐसा आएगा हों रोधूंगी तोही ।

अथवा

वैष्णव के पास दो नंबर का खूब पैसा हो गया है । कई एजेंसियाँ ले रखी हैं । स्टाकिस्ट है, जब चाहे माल दबाकर 'ब्लैक करने' लगते हैं । मगर दो घंटे विष्णु पूजा में कभी नागा नहीं करते । सब प्रभु की कृपा से हो रहा है । उनके प्रभु भी शायद दो नम्बरी हैं । एक नम्बरी होते, तो ऐसा नहीं करने देते । वैष्णव सोचता है - अपार दो नंबर का पैसा इकट्ठा हो गया है । इसका क्या किया जाए ? बढ़ता ही जाता है । प्रभु की लीला है । वही आदेश देंगे कि क्या किया जाए ।